अमरीकी सरकार ने कहा जीन पेटेंट योग्य नहीं

यूएसए की संघीय सरकार ने अदालत में कहा है कि जीन प्रकृति के उत्पाद हैं और इन्हें पेटेंट नहीं किया जा सकता। यह वक्तव्य यूएस सरकार के पेटेंट व ट्रेडमार्क ऑफिस और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान की वर्षों से घोषित नीति के विपरीत है। यह नवीन अभिमत गत शुक्रवार न्याय विभाग ने अदालत में प्रस्तुत एक बयान में व्यक्त किया है।

जींस के पेटेंट बरसों से विवाद में रहे हैं। जींस पर पेटेंट के समर्थक (प्रायः बायोटेक्नॉलॉजी कंपनियां) यह कहते रहे हैं कि ये पेटेंट उद्योग व चिकित्सा विज्ञान की तरक्की के लिए अनिवार्य हैं। उनका यह भी कहना रहा है कि जब किसी जीव के जीनोम में से एक जीन को अलग किया जाता है तो वह एक नवीन रासायनिक पदार्थ होता है और किसी भी अन्य रासायनिक पदार्थ की तरह उसका पेटेंट संभव होना चाहिए।

दूसरी ओर, जीन पेटेंट के विरोधियों का मत है कि जीन्स प्रकृति में पाए जाने वाले पदार्थ हैं और शोधकर्ता इनकी खोज करते हैं, आविष्कार नहीं। विरोधियों की एक दलील यह भी है कि जीन्स को पेटेंट कराने से इस दिशा में आगे की प्रगति रुक जाती है।

इस संदर्भ में मिरिएड जिनेटिक्स द्वारा पेटेंट किए गए दो जीन्स का मामला गौरतलब है। मिरिएड जिनेटिक्स और ऊटा विश्वविद्यालय रिसर्च फाउंडेशन के वैज्ञानिकों ने दो जीन्स प्राप्त किए, बीआरसीए-1 और बीआरसीए-2 जो स्तन व अंडाशय के कैंसर के लिए ज़िम्मेदार माने जाते हैं। कंपनी ने इन पर पेटेंट हासिल कर लिए। इन्हें अमेरिकन सिविल लिबर्टीज़ यूनियन और पब्लिक पेटेंट फाउंडेशन के नेतृत्व में कई नागरिकों ने अदालत में चुनौती दी थी।

इस मुकदमे में न्यायाधीश ने कहा था कि जीन के पेटेंट अवैध हैं क्योंकि जीन्स का महत्त्व यह है कि वे कुछ सूचना के वाहक हैं। इन्हें अपने जीनोम से अलग करने पर भी यह सूचना नष्ट नहीं होती। इसलिए पृथक किए गए जीन्स शरीर में मौजूद जीन्स से भिन्न नहीं कहे जा सकते।

मिरिएड ने इस फैसले के विरुद्ध अपील की थी। इसी अपील की सुनवाई के दौरान यूएस सरकार ने उक्त बयान दिया है जिसमें जीन्स को पेटेंट के अयोग्य कहा गया है। कई वैज्ञानिकों व समीक्षकों का मत है कि यह बयान एक मील का पत्थर है। वैसे सरकार ने स्पष्ट किया है कि जीन्स तो पेटेंट के दायरे से बाहर रहेंगे मगर उनकी मदद से तैयार किए गए जिनेटिक रूप से परिवर्तित जीवों को पेटेंट करने की अनुमति होगी। ***(स्रोत फीचर्स)***